

#### ग्रसाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II—लण्ड 3—उपकाण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (fi)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 245-ए] No. 245-A] नई विल्ली, शनिवार, जुलाई 19, 1969/प्राधाढ़ 28, 1891

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 19, 1969/ASADHA 28, 1891

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह फ्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### MINISTRY OF FINANCE

#### (Department of Revenue and Insurance)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 19th July 1969

S.O. 2935-A.—Whereas the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 52A of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), appointed an Administrator to manage the affairs of the Jupiter General Insurance Company Limited, Bombay with effect from the 11th July, 1951;

And whereas on report made by the Controller of Insurance under section 52D of the said Act, it appears to the Central Government that the purpose of the said order appointing the Administrator has been fulfilled;

And, whereas in accordance with Direction No. RD: 3(167)X/68, dated the 21st November 1968, from the Regional Director, Company Law Board, Ministry of Industrial Development and Internal Trade and Company Affairs a new Board of Directors of the said company has been elected on the 2nd January, 1969;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the said section 52D, the Central Government hereby cancels the said order appointing the Administrator and directs that the management of the said Jupiter General Insurance Company Limited shall vest in the Board of Directors of the company.

[No. F. 51 (20) -Ins.I/58-I.]

A. RAJAGOPALAN.

Officer on Special Duty & Ex-Officio Jt. Secv.

(961-A)

### षित्त मंत्रालय

## (राजस्व श्रौर श्रीमा विभाग)

# **श्रधिसूच**ना

नई **दि**ल्ली, 19 जलाई, 1969

एस० भ्रो०2935-बी.—-यतः केन्द्रीय सरकार ने, बीमा श्रिधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 52-क की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिपटर जनरल इन्क्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, मुम्बई के कार्यों का प्रबन्ध करने के लिए 11 जलाई, 1951 से एक प्रशासक की नियुक्ति की थी;

श्रीर यतः उक्त श्रिधिनियम की धारा 52-ज के श्रिधीन बीमा नियंत्रक द्वारा दी गई रिपोर्ट से केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि प्रशासक की निय्कित करने वाले उक्त श्रादेश के प्रयोजन की पूर्ति हो गई है;

श्रीर यतः कम्पनी विधि बोर्ड, श्रीद्योगिक विकास श्रीर श्रान्तरिक व्यापार तथा कम्पनी कार्यः मंत्रालय के प्रादेशिक निदेशक से प्राप्त निदेश सं० श्रार० डी० 3(167)एन्स/68, तारीख 21 नवम्बर, 1968 के श्रीप्रनुसार 2 जनवरी, 1969 को उक्त कम्पनी का एक नया निदेशक बोर्ड निर्वाखित हुआ है;

श्रतः, श्रव, उक्त धारा 52-त्र द्वारा प्रदत्त शक्तियों का श्रयोग करते हुए केन्द्री । सरकार प्रणा-सक को नियुक्त करने वाला उक्त श्रादेश रद् करती है श्रीर यह निदेश देती है कि उक्त जपिटर जनरल इन्ह्योरेन्स कम्पनी लिमिडेड का प्रवन्ध कम्पनी के निदेशक बोर्ड में निहित हो जाएगा।

[सं॰ फा॰ 51(20)-बीमा-1/58 I.]

ए० राजगोपालन,

विशेष कार्याधिकारी एवं पदेन संयुक्त सम्बिष।